साँवले सपनों की याद (जाबिर हुसैन)

पाठ का परिचय

सालिम अली विश्वप्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी रहे हैं। प्रस्तुत पाठ 'साँवले सपनों की याद' की रचना उन्हीं को केंद्र में रखकर की गई है। जून 1987 में इस पक्षी विज्ञानी की मृत्यु हो गई। उसी समय जाबिर हुसैन ने उनकी स्मृतियों को जिस रचना में सँजोया, वही प्रस्तुत पाठ के रूप में यहाँ संकलित है। उनका यह संस्मरण डायरी शैली में रचा गया है, जिसमें सालिम अली की मृत्यु से उत्पन्न दुःख और अवसाद को लेखक द्वारा व्यक्त किया गया है। यह पाठ वस्तुतः सालिम अली का एक संपूर्ण व्यक्ति-चित्र हमारे सम्मुख प्रस्तुत करता है, जिसमें भाषा की रवानी और अभिव्यक्ति की शैली प्राण फूँकती-सी लगती है।

पाठ का सारांश

'साँवले सपनों की याद' डायरी शैली में लिखा एक व्यक्तिपरक संस्मण है। इसमें प्रसिद्ध पक्षी-विज्ञानी सालिम अली के व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों को स्पर्श किया गया है। सालिम अली की मृत्यु से उत्पन्न अवसाद के क्षणों में लिखा यह संस्मरण जाबिर हुसैन की प्रभावशाली शैली से हमें परिचित कराता है। पाठ का सारांश निम्नलिखित है–

सालिम अली: एक अंतहीन यात्रा पर–सुनहरे परिंदों के पंखों पर साँवले सपनों का एक हुजूम सवार है। वह मौत की वादी की ओर बढ़ रहा है और सालिम अली उसमें सबसे आगे हैं। वे सैलानियों की तरह पीठ पर बोझा लादे अंतहीन यात्रा पर निकल पड़े हैं। इस बार तो वे मानो शहर की भीड़भरी ज़िंदगी से आखिरी बार दूर जा रहे हैं। अब उन्हें कोई वापस नहीं लौटा सकता। मानो वे भी एक ऐसे पक्षी हैं, जो अपना अंतिम गीत गाने के बाद मौत की गोद में जा बसा हो।

सालिम अली का पक्षी-प्रेम–सालिम अली जीवनभर इस बात से क्षुब्ध रहे कि लोग पक्षियों को आदमी की नज़र से देखते हैं। लेकिन कोई पक्षियों को उन्हीं की नज़र से नहीं देखता, नहीं तो वह भी उन्हीं की तरह गीत गुनगुना सकता है। जिसने पक्षियों की आवाज़ का मथुर संगीत सुनकर उनके साथ उनके जैसा ही गीत गुनगुनाया, उसका नाम था–सालिम अली।

साँवले सपनों का महत्त्व–किसी को नहीं पता कि कब कृष्ण ने वृंदावन में रासलीला, गोपलीला, माखनलीला, बाँसुरीवादन और वन-वाटिका में विहार किया था, परंतु आज जब भी हम यमुना का साँवला जल देखते हैं तो लगता है जैसे कोई अभी आकर अचानक वंशी की धुन से वातावरण को संगीतमय बना देगा। संगीत का जादू पूरे वृंदावन में छा जाएगा। वृंदावन क्या कभी कृष्ण के जादू से शून्य हो सकता है! (कभी नहीं)।

सालिम अली का व्यक्तित्व–सालिम अली कमज़ोर काया वाले व्यक्ति थे। सौ वर्ष से कुछ कम वय में ही वे कैंसर से ग्रस्त होकर हमसे अलग हो गए। लंबी-लंबी यात्राओं ने उन्हें थका डाला था, फिर भी वे अंतिम साँस तक पक्षियों की तलाश और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहे। उनकी आँखों पर चढ़ी दूरबीन उनकी मौत के बाद उतरी।

सालिम अली की नज़रों में दूर तक फैली थरती व झुके हुए आकाश जैसा जादुई आकर्षण था। उन्हें प्रकृति के सौंदर्य में हँसता-खेलता रहस्य दिखाई पड़ता था। अपनी दुनिया बड़े परिश्रम से उन्होंने व उनकी पत्नी तहमीना ने स्वयं गढ़ी थी।

सालिम अली की प्रधानमंत्री से भेंट–उस समय चौधरी चरणसिंह प्रधानमंत्री थे। प्रकृति-प्रेमी सालिम अली केरल की 'साइलेंट वैली' को रेगिस्तान बनने से बचाने का अनुरोध लेकर प्रधानमंत्री से जाकर मिले। चौधरी साहब स्वयं गाँव की मिट्टी में जन्मे थे। वे सालिम अली की बातें सुनकर पर्यावरण-सुरक्षा संबंधी उनके विचारों से प्रभावित हो भावुक हो उठे। आज वे दोनों व्यक्तित्व नहीं रहे। अब देखना है कि हिमालय और लद्दाख की बरफ़ीली ज़मीनों पर जीने वाले पक्षियों की चिंता कौन करेगा।

लॉरेंस का संस्मरण–सालिम अली की आत्मकथा का नाम है–'फॉल ऑफ ए स्पैरो'। डी०एच० लॉरेंस की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी फ्रीडा लॉरेंस से किसी ने प्रार्थना की कि वह अपने पति के बारे में कुछ लिखें, किंतु उसने कहा कि मेरे पति के विषय में मुझसे अधिक मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया जानती है। लॉरेंस वास्तव में इतने खुले और सीधे इनसान थे। अपने व्यक्तित्व में सालिम अली उन्हीं के नज़दीक थे।

सालिम अली की प्रेरणा और ऊँचाइयाँ–सालिम अली की एयरगन से बचपन में कभी एक गौरैया घायल हो गई थी, तब से ही वे पक्षियों की खोज में जैसे दीवाने हो गए थे। प्रकृति के रहस्यों को जानने के लिए वे एक-से-एक ऊँचाइयाँ चढ़ते गए। प्रकृति और सालिम जैसे दोनों मिलकर एक हो गए थे।

सालिम अली जीवनभर निरंतर यायावरी करते रहे। उनको याद करने पर लगता है कि जैसे वे अभी-अभी पक्षियों का सुराग लगाने को कहीं निकल गए हैं और थोड़ी देर में गले में दूरबीन लटकाए खोजपूर्ण परिणामों के साथ लौट आएँगे।

भाग-1

बहुविकल्पीय प्रश्न

गद्यांशों पर आधारित प्रश्न

निर्देश–***निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–***

(1) सुनहरे परिंदों के खूबसूरत पंखों पर सवार साँवले सपनों का एक हुजूम मौत की खामोश वादी की तरफ़ अग्रसर है। कोई रोक-टोक सके, कहाँ संभव है।

इस हुजूम में आगे-आगे चल रहे हैं, सालिम अली। अपने कंधों पर, सैलानियों की तरह अपने अंतहीन सफ़र का बोझ उठाए। लेकिन यह सफ़र पिछले तमाम सफ़रों से भिन्न है। भीड़-भाड़ की ज़िंदगी और तनाव के माहौल से सालिम अली का यह आखिरी पलायन है। अब तो वो उस वन-पक्षी की तरह प्रकृति में विलीन हो रहे हैं, जो ज़िंदगी का आखिरी गीत गाने के बाद मौत की गोद में जा बसा हो। कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा?

1. **साँवले सपनों का हुजूम किस पर सवार है–**
   (क) रथ पर (ख) घोड़े पर
   (ग) हाथी पर (घ) सुनहरे परिंदों के पंखों पर।
2. **मौत की खामोश वादी किसे कहा गया है–**
   (क) रेगिस्तान को (ख) कब्रिस्तान को
   (ग) बीहड़ वन को (घ) इनमें से कोई नहीं।
3. **हुजूम के आगे-आगे कौन चल रहा है–**
   (क) एक नेता (ख) एक सिपाही
   (ग) सालिम अली (घ) अकबर अली।
4. **सालिम अली अपने कंधों पर क्या उठाए हैं–**
   (क) अपना सामान
   (ख) अपना बिस्तर
   (ग) अपनी बंदूक
   (घ) अपने अंतहीन सफर का बोझ।
5. **भीड़-भाड़ की जिंदगी से सालिम अली का यह कौन-सा पलायन है–**
   (क) पहला (ख) दूसरा
   (ग) तीसरा (घ) आखिरी।

उत्तर– 1. (घ) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (घ) **5.** (घ)।

(2) कोई आज भी वृंदावन जाए तो नदी का साँवला पानी उसे पूरे घटनाक्रम की याद दिला देगा। हर सुबह, सूरज निकलने से पहले, जब पतली गलियों से उत्साहभरी भीड़ नदी की ओर बढ़ती है तो लगता है जैसे उस भीड़ को चीरकर अचानक कोई सामने आएगा और बंसी की आवाज़ पर सब किसी के कदम थम जाएँगे। हर शाम सूरज ढलने से पहले जब वाटिका का माली सैलानियों को हिदायत देगा तो लगता है जैसे बस कुछ ही क्षणों में वह आ टपकेगा और संगीत का जादू वाटिका के भरे-पूरे माहौल पर छा जाएगा। वृंदावन कभी कृष्ण की बाँसुरी के जादू से खाली हुआ है क्या!

1. **गद्यांश में किस स्थान का वर्णन किया गया है–**
   (क) मथुरा का (ख) वृंदावन का
   (ग) काशी का (घ) अयोध्या का।
2. **वृंदावन में नदी के पानी का रंग कैसा है–**
   (क) साँवला (ख) नीला
   (ग) सफ़ेद (घ) लाल।
3. **हर सुबह वृंदावन की गलियों से उत्साह भरी भीड़ किधर बढ़ती है–**
   (क) तालाब की ओर (ख) नदी की ओर
   (ग) मंदिर की ओर (घ) मस्ज़िद की ओर।
4. **'भीड़ को चीरकर अचानक कोई सामने आएगा।' में 'कोई' किसे कहा गया है–**
   (क) श्रीकृष्ण को (ख) श्रीराम को
   (ग) बुद्ध को (घ) अर्जुन को।
5. **वृंदावन कभी भी किससे खाली नहीं हुआ–**
   (क) दूध और मक्खन से
   (ख) श्रीकृष्ण की बाँसुरी के जादू से
   (ग) गाय और बछड़ों से
   (घ) गोपियों और ग्वालों से।

उत्तर– 1. (ख) **2.** (क) **3.** (ख) **4.** (क) **5.** (ख)।

(3) डी० एच० लॉरेंस की मौत के बाद लोगों ने उनकी पत्नी फ्रीडा लॉरेंस से अनुरोध किया कि वह अपने पति के बारे में कुछ लिखे। फ्रीडा चाहती तो ढेर सारी बातें लॉरेंस के बारे में लिख सकती थी। लेकिन उसने कहा–मेरे लिए लॉरेंस के बारे में कुछ लिखना असंभव-सा है। मुझे महसूस होता है कि मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है। मुझसे भी ज़्यादा जानती है। वो सचमुच इतना खुला-खुला और सादा-दिल आदमी था। मुमकिन है, लॉरेंस मेरी रगों में, मेरी हड्डियों में समाया हो। लेकिन मेरे लिए कितना कठिन है, उसके बारे में अपने अनुभवों को शब्दों का जामा पहनाना। मुझे यकीन है, मेरी छत पर बैठी गौरैया उसके बारे में और हम दोनों ही के बारे में मुझसे ज़्यादा जानकारी रखती है।

1. **गद्यांश में किसकी मौत की बात की गई है–**
   (क) सालिम अली की (ख) डी०एच० लॉरेंस की
   (ग) जेम्स वाट की (घ) न्यूटन की।
2. **लॉरेंस की पत्नी का नाम था–**
   (क) मीना (ख) टीना
   (ग) फ्रीडा (घ) फातिमा।
3. **लोगों ने फ्रीडा से क्या अनुरोध किया–**
   (क) गीत गाने का
   (ख) नृत्य करने का
   (ग) भाषण देने का
   (घ) पति के विषय में कुछ लिखने का।
4. **फ्रीडा के लिए क्या असंभव-सा था–**
   (क) गीत गाना
   (ख) नृत्य करना
   (ग) लॉरेंस के बारे में कुछ लिखना
   (घ) अखबार पढ़ना।
5. **फ्रीडा की छत पर कौन-सा पक्षी बैठता था–**
   (क) कौआ (ख) कबूतर
   (ग) तोता (घ) गौरैया।

उत्तर– 1. (ख) **2.** (ग) **3.** (घ) **4.** (ग) **5.** (घ)।

(4) जटिल प्राणियों के लिए सालिम अली हमेशा एक पहेली बने रहेंगे। बचपन के दिनों में, उनकी एयरगन से घायल होकर गिरने वाली, नीले कंठ की वह गौरैया सारी ज़िंदगी उन्हें खोज के नए-नए रास्ते की तरफ़ ले जाती रही। ज़िंदगी की ऊँचाइयों में उनका विश्वास एक क्षण के लिए भी डिगा नहीं। वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक ज़िंदगी प्रतिरूप बन गए थे। सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाए अथाह सागर बनकर उभरे थे। जो लोग उनके भ्रमणशील स्वभाव और उनकी यायावरी से परिचित हैं, उन्हें महसूस होता है कि वो आज भी पक्षियों के सुराग में ही निकले हैं, और बस अभी गले में लंबी दूरबीन लटकाए अपने खोजपूर्ण नतीजों के साथ लौट आएँगे।

जब तक वो नहीं लौटते, क्या उन्हें गया हुआ मान लिया जाए!

मेरी आँखें नम हैं, सालिम अली, तुम लौटोगे ना!

1. **जटिल प्राणियों के लिए सालिम अली हमेशा क्या बने रहेंगे–**
   (क) एक समस्या (ख) एक पहेली
   (ग) एक रहस्य (घ) एक अजूबा।
2. **बचपन में सालिम अली के एयरगन से कौन घायल हो गया था–**
   (क) नीले कंठ की गौरैया (ख) एक तोता
   (ग) एक मोर (घ) एक कबूतर।
3. **सालिम अली किसका प्रतिरूप बन गए थे–**
   (क) धर्म का (ख) कर्म का
   (ग) नैसर्गिक ज़िंदगी का (घ) इनमें से कोई नहीं।

4. सालिम अली प्रकृति की दुनिया में क्या बनकर उभरे–
(क) एक टापू (ख) अथाह सागर
(ग) ऊँचा पर्वत (घ) एक पेड़।

5. सालिम अली को याद करने से इस समय लेखक की आँखों में क्या है–
(क) प्रेम (ख) दया
(ग) आँसू (घ) खुशी।

उत्तर– 1. (ख) 2. (क) 3. (ग) 4. (ख) 5. (ग)।

पाठ पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

1. साँवले सपनों का हुजूम किस तरफ़ अग्रसर है–
(क) घर की तरफ़
(ख) गाँव की तरफ़
(ग) मौत की खामोश वादी की तरफ़
(घ) जंगल की तरफ़।

2. 'साँवले सपनों की याद' में लेखक किसे याद करता है–
(क) अपने पिता को (ख) अपनी माता को
(ग) अपने मित्र को (घ) सालिम अली को।

3. सालिम अली का कौन-सा सफ़र अन्य सफ़रों से भिन्न है–
(क) विदेश का सफ़र (ख) जंगल का सफ़र
(ग) मौत का सफ़र (घ) पहाड़ों का सफ़र।

4. 'साँवले सपनों की याद' पाठ के आधार पर बताइए कि कौन-सा पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा नहीं गा सकता–
(क) जो पेड़ की डाल पर बैठा हो
(ख) जो आकाश में उड़ रहा हो
(ग) जो दाना चुग रहा हो
(घ) जो मौत की गोद में जा बसा हो।

5. सालिम अली के अनुसार लोग पक्षियों को किसकी नज़र से देखना चाहते हैं–
(क) दूसरों की नज़र से (ख) प्रकृति की नज़र से
(ग) आदमी की नज़र से (घ) शिकारी की नज़र से।

6. किसकी वंशी से वृंदावन की दुनिया संगीतमय हो गई थी–
(क) श्रीराम की वंशी से (ख) श्रीकृष्ण की वंशी से
(ग) जादूगर की वंशी से (घ) इनमें से कोई नहीं।

7. सूरज निकलने से पहले वृंदावन की पतली गलियों से भीड़ किस तरफ़ बढ़ती है–
(क) मंदिर की तरफ़ (ख) नदी की तरफ़
(ग) वन की तरफ़ (घ) घर की तरफ़।

8. वृंदावन किसके जादू से कभी खाली नहीं हुआ–
(क) सालिम अली के जादू से
(ख) ग्वालों के जादू से
(ग) श्रीकृष्ण की वंशी के जादू से
(घ) गोपियों के नृत्य के जादू से।

9. सालिम अली का शरीर कमज़ोर क्यों हो गया था–
(क) लंबी यात्राओं की थकान से
(ख) भोजन न करने से
(ग) अधिक उपवास करने से
(घ) बीमारी के कारण।

10. सालिम अली की मृत्यु किस कारण से हुई–
(क) बुखार से (ख) कैंसर से
(ग) टीबी से (घ) दुर्घटना से।

11. सालिम अली की मृत्यु लगभग कितने वर्ष की आयु में हुई–
(क) पचास वर्ष (ख) साठ वर्ष
(ग) सत्तर वर्ष (घ) सौ वर्ष।

12. सालिम अली की पत्नी का क्या नाम था–
(क) सलीमा (ख) वहीदा
(ग) तहमीना (घ) इनमें से कोई नहीं।

13. मृत्यु के बाद सालिम अली की आँखों से कौन-सी चीज़ उतारी गई–
(क) चश्मा (ख) पट्टी
(ग) दूरबीन (घ) कपड़ा।

14. लेखक ने सालिम अली को क्या कहा है–
(क) वर्डवॉचर (ख) पक्षी वैज्ञानिक
(ग) पर्यावरणविद् (घ) यायावर।

15. 'साँवले सपनों की याद' पाठ में किस भारतीय प्रधानमंत्री का उल्लेख किया गया है–
(क) चौधरी चरणसिंह (ख) लालबहादुर शास्त्री
(ग) जवाहरलाल नेहरू (घ) अटल बिहारी वाजपेयी।

16. 'साइलेंट वैली' को किससे खतरा था–
(क) बाढ़ से
(ख) पशुओं से
(ग) रेगिस्तानी हवा के झोंकों से
(घ) बरफ़ीली हवाओं से।

17. लेखक ने सालिम अली की तुलना किससे की है–
(क) डी०एच० लॉरेंस से (ख) आर०डी० बर्मन से
(ग) न्यूटन से (घ) इनमें से कोई नहीं।

18. सालिम अली की आत्मकथा का नाम है–
(क) द फॉल ऑफ ए स्पैरो (ख) माई स्टोरी
(ग) मेरी आत्मकथा (घ) कुछ यादें।

उत्तर– 1. (ग) 2. (घ) 3. (ग) 4. (घ) 5. (ग) 6. (ख) 7. (क) 8. (ग) 9. (क) 10. (ख) 11. (घ) 12. (ग) 13. (ग) 14. (क) 15. (क) 16. (ग) 17. (क) 18. (क)।

भाग-2
(वर्णनात्मक प्रश्न)

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

प्रश्न 1 : सालिम अली की पत्नी का क्या नाम था? उन्होंने सालिम अली को क्या सहयोग दिया?

उत्तर : सालिम अली की पत्नी का नाम तहमीना था। वह स्कूल के दिनों से उनकी सहपाठी रही थीं। तहमीना एक आदर्श पत्नी थीं। वह हर काम में अपने पति का साथ देती थीं। सालिम अली ने प्रकृति में अपने लिए जो हँसती-खेलती दुनिया गढ़ी थी, उसके गढ़ने में तहमीना ने उनकी काफ़ी मदद की थी।

प्रश्न 2 : लेखक ने सालिम अली की तुलना किस प्रसिद्ध पक्षी वैज्ञानिक से की है? उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर : लेखक ने सालिम अली की तुलना डी०एच० लॉरेंस से की है। वह 20वीं सदी के अंग्रेज़ी के प्रसिद्ध उपन्यासकार थे। उन्होंने कविताएँ भी लिखी हैं। प्रकृति से लॉरेंस का गहरा लगाव और सघन संबंध था। उन्हें पक्षियों से बहुत प्रेम था। वे मानते थे कि मानव जाति एक उखड़े हुए महान वृक्ष की भाँति है, जिसकी जड़ें हवा में फैली हुई हैं। वे यह भी मानते थे कि हमारा प्रकृति की ओर लौटना ज़रूरी है।

प्रश्न 3 : सालिम अली का शब्द चित्र प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर : सालिम अली का शरीर दुबला-पतला है। उनका रंग साँवला और उम्र लगभग सौ वर्ष है। वे अथक यात्री हैं। उनके कंधों पर हमेशा यात्रा से संबंधित सामान लदा रहता है। आँखों पर दूरबीन चढ़ी रहती है, जिससे वे हमेशा पक्षियों को तलाशते रहते हैं।

प्रश्न 4 : वृंदावन में कृष्ण की मुरली का जादू हमेशा क्यों बना रहता है?

उत्तर : कृष्ण की मुरली का जादू भारतीयों के मन में संस्कारगत रूप में उपस्थित है। जब भी श्रद्धालु भक्त वृंदावन जाते हैं तो वहाँ उनके मन में कृष्ण और उनकी बाँसुरी की तान की कल्पना लहरें मारने लगती है। मुरली-वादन का स्वर उन्हें वृंदावन के वातावरण में गूँजता-सा लगता है। वर्षभर श्रद्धालु भक्त वृंदावन आते रहते हैं, इसलिए कृष्ण की मुरली का जादू वहाँ सदा ही बना रहता है।

प्रश्न 5 : सालिम अली पर्यावरण के विषय में किस पूर्व प्रधानमंत्री से मिले? उनकी क्या विशेषता थी?

उत्तर : सालिम अली पर्यावरण की चिंता को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह से मिले। चौधरी साहब गाँव की मिट्टी से जुड़े व्यक्ति थे। वे खेती-किसानी, पर्यावरण, धरती, ज़मीन-मिट्टी और पशु-पक्षी आदि सबकी समस्याओं को सूक्ष्म और विस्तृत दोनों रूपों में जानते-समझते थे।

प्रश्न 6 : किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी-प्रेमी बना दिया?

उत्तर : बचपन में एक बार सालिम अली की एयरगन से एक नीले कंठ वाली गौरैया घायल हो गई थी। उसे देखकर सालिम अली को उस पर बहुत दया आई। उन्होंने उसका अच्छी प्रकार उपचार किया। उसी समय से उनके मन में पक्षियों के प्रति संवेदना और रुचि उत्पन्न हो गई और वे पक्षी-प्रेमी बन गए।

प्रश्न 7 : लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि "मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है।"

उत्तर : लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा जानती थी कि लॉरेंस अपनी छत पर बैठने वाली गौरैया से बहुत प्रेम करते थे। वे अपना काफ़ी समय उस गौरैया के साथ बिताते थे। वह गौरैया भी उनके साथ अंतरंग साथी जैसा व्यवहार करती थी। वह उनके मन के एक-एक भाव की साक्षी और उपभोक्ता थी, फ्रीडा ने लॉरेंस के इसी पक्षी-प्रेम को उद्घाटित करने के उद्देश्य से यह वाक्य कहा होगा।

प्रश्न 8 : "वो लॉरेंस की तरह नैसर्गिक ज़िंदगी का प्रतिरूप बन गए थे।" इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'नैसर्गिक ज़िंदगी के प्रतिरूप' के दो अर्थ हैं–प्रकृतिमय हो जाना और प्रकृति के समान सहज, सरल और स्वच्छंद हो जाना। डी० एच० लॉरेंस अंग्रेज़ी भाषा के प्रतिष्ठित उपन्यासकार और कवि थे और उनमें नैसर्गिक ज़िंदगी का प्रतिरूप दोनों अर्थों में उपस्थित था। उनका प्रकृति-प्रेम तो जग-ज़ाहिर है। प्रकृति में उनकी जैसी तन्मयता थी, वैसी ही एकरसता सालिम अली की ज़िंदगी में भी थी। ये दोनों ही व्यक्ति स्वयं को प्रकृति को समर्पित कर चुके थे। प्रकृति के समान उनके व्यवहार में भी सहजता, सरलता और स्पष्टता थी। बनावट या दिखावा उन्हें नहीं आता था।

प्रश्न 9 : "सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाए अथाह सागर बनकर उभरे।"–आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : सालिम अली अपने प्रकृति-प्रेम के चलते खुले संसार में खोज करने निकले थे। वह किसी टापू की तरह एक स्थान पर बँधकर नहीं रहे और न ही पक्षियों के संसार तक सीमित रहे। उन्होंने अथाह-असीम सागर की लहरों के समान प्रकृति के प्रत्येक रहस्य और सौंदर्य को छूने का प्रयास किया। प्रकृति में तन्मय होकर उन्होंने प्रकृति के अनेकानेक रहस्य खोजकर अपने अनुभवों का संसार समृद्ध किया।

प्रश्न 10 : साँवले सपनों का हुजूम कैसा है और उसमें आगे-आगे कौन चल रहा है?

उत्तर : साँवले सपनों का हुजूम मौत का हुजूम है, जिसे कोई रोक नहीं सकता है। इसमें आगे-आगे चल रहे हैं–सालिम अली। वे अपने कंधों पर सैलानियों की तरह अपने अंतहीन सफ़र का बोझ उठाए हैं। यह सफर ऐसा है, जहाँ से वे कभी लौटकर नहीं आएँगे।

प्रश्न 11 : वृंदावन में नदी का साँवला पानी किस घटना की याद दिलाता है?

उत्तर : वृंदावन में नदी का साँवला पानी उस घटनाक्रम की याद दिलाता है, जिसके अंतर्गत श्रीकृष्ण ने वहाँ रासलीला रची थी, शोख गोपियों को अपनी शरारतों का निशाना बनाया, माखन भरे भाँडे फोड़े, घने पेड़ों की छाँह में विश्राम किया, लोगों के दिलों की धड़कनों को तेज़ करने वाले अंदाज़ में वंशी बजाकर वृंदावन की पूरी दुनिया को संगीतमय कर दिया।

प्रश्न 12 : 'साइलेंट वैली' क्या है और उसका सालिम अली से क्या संबंध है?

उत्तर : 'साइलेंट वैली' केरल राज्य में स्थित राष्ट्रीय उद्यान है। सालिम अली इस उद्यान को रेगिस्तानी हवा के झोंकों से बचाने का अनुरोध लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह से मिले थे। उन्होंने यहाँ के पर्यावरण के संभावित खतरों का जो चित्र प्रधानमंत्री के सामने रखा, उसने उनकी आँखें नम कर दी थीं।

प्रश्न 13 : 'साँवले सपनों की याद' शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर : पाठ का नाम 'साँवले सपनों की याद' बिलकुल उचित है। यह पाठ लेखक ने सालिम अली की मृत्यु पर उनके सुंदर कृत्यों की याद में लिखा है। मृत्यु के बाद मनुष्य एक सपने जैसा ही रह जाता है। 'साँवला सपना' सुंदरता का प्रतीक है, जिसका प्रयोग लेखक ने साँवले रंग वाले प्रकृति प्रेमी सालिम अली के लिए किया है। अतः 'साँवले सपनों की याद' शीर्षक सार्थक है।

प्रश्न 14 : सालिम अली की मृत्यु कब और कैसे हुई?

उत्तर : सालिम अली की मृत्यु लगभग सौ वर्ष की आयु में कैंसर के कारण हुई।

प्रश्न 15 : डी० एच० लॉरेंस के विषय में पाँच वाक्य लिखिए।

उत्तर : डी० एच० लॉरेंस के विषय में पाँच वाक्य निम्नलिखित हैं–

(i) डी० एच० लॉरेंस अंग्रेज़ी के एक अच्छे उपन्यासकार एवं कवि थे।
(ii) वे अपने प्रकृति-प्रेम एवं तत्संबंधी कविताओं के लिए विख्यात हैं।
(iii) उनकी पत्नी का नाम फ्रीडा लॉरेंस था।
(iv) कवि लॉरेंस का पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम भी गहरा था।
(v) वह सीधे-सादे व अत्यंत खुलेदिल के व्यक्ति थे।

प्रश्न 16 : सालिम अली का यह सफ़र अन्य सफ़रों से भिन्न कैसे है?

उत्तर : सालिम अली का यह सफ़र अन्य सफ़रों से भिन्न इसलिए है, क्योंकि पहले सफ़रों में सालिम अली कुछ-न-कुछ नए रहस्य और परिणाम लेकर लौटते थे, लेकिन इस सफ़र में ऐसा कोई अवसर नहीं है। यह तो मृत्यु की अंतिम यात्रा है। इससे कोई कभी नहीं लौटा है।

प्रश्न 17 : सालिम अली की तुलना वन-पक्षी से करना कहाँ तक उचित है?

उत्तर : सालिम अली की वन-पक्षी से तुलना करना लेखक की भावमयता का प्रतीक है। यह अत्यंत समीचीन तुलना है। सालिम अली की तुलना लेखक ने उस वन-पक्षी से की है, जो जीवन का अंतिम गीत गाकर मौत की घाटी में प्रवेश कर रहा हो। सालिम अली पक्षियों के जीवन के साथ एकमेव हो गए थे। पक्षियों के संबंध में नई-नई बातें जानने के लिए उठते-बैठते, जागते-सोते वह उन्हीं में खोए रहते थे। एक प्रकार से वह स्वयं वन-पक्षी ही हो गए थे; अतः वन-पक्षी से उनकी तुलना अतीव सुंदर है।

प्रश्न 18 : सालिम अली की पक्षियों के संबंध में लोगों से क्या अपेक्षा थी?

उत्तर : सालिम अली की पक्षियों के संबंध में लोगों से यह अपेक्षा थी कि वे पक्षियों को पक्षियों की नज़र से देखें अपनी नज़र से नहीं। लोग उन्हें अपनी कल्पना के रूप-रंग और अपनी पसंद के क्रीडा-कौतुक करते देखना चाहते हैं, जोकि सालिम अली के विचार से अनुचित था।

प्रश्न 19 : प्रकृति को आदमी अपनी नज़र से देखता है, क्यों?

उत्तर : प्रकृति को आदमी अपनी नज़र से देखता है। वास्तव में मनुष्य ऐसा स्वार्थवश करता है। वह सोचता है कि ये सब वस्तुएँ निर्जीव हैं और वह उन पर अपना अधिकार दिखा सकता है तथा अपने तरीके से उनका उपयोग कर सकता है। इस प्रकार वह प्रकृति की प्रत्येक वस्तु को अपने हानि-लाभ, उपयोग-अनुपयोग की दृष्टि से जाँचता-परखता है।

प्रश्न 20 : पक्षियों के मधुर संगीत से मनुष्य रोमांच क्यों नहीं महसूस करता है?

उत्तर : पक्षियों के मधुर संगीत से मनुष्य रोमांच महसूस नहीं कर पाता, क्योंकि पक्षी अपनी अनुभूति या भावों को जिन स्वरों या क्रियाओं से व्यक्त करते हैं, मनुष्य उन्हें समझ नहीं पाता।

प्रश्न 21 : वृंदावन में सुबह-सवेरे क्या अनुभूति होती है और क्यों?

उत्तर : वृंदावन में सुबह सूरज निकलने के साथ ऐसा अनुभव होता है, मानो यमुना की ओर आती भीड़ के बीच से निकलकर कन्हैया वंशी की तान छेड़कर सबको मंत्रमुग्ध कर देगा, क्योंकि सभी भारतीयों को ऐसी अनुभूति इसलिए होती है कि कृष्ण का वंशी-वादन संस्कारगत रूप में सबकी स्मृतियों में समाया हुआ है। इसलिए वृंदावन की गलियों में जाते ही कृष्ण की लीलाएँ और उनसे संबंधित घटनाएँ याद आने लगती हैं।

प्रश्न 22 : वृंदावन में संध्या-समय क्या अनुभूति होती है? यह अनुभूति क्यों होती है?

उत्तर : वृंदावन में संध्या समय सूरज ढलने के साथ ऐसी अनुभूति होती है, मानो अभी कहीं किसी झुरमुट से श्रीकृष्ण मनमोहिनी वंशी बजाते हुए निकल आएँगे, क्योंकि सभी भारतीयों की स्मृति में यह बात ताज़ा है कि श्रीकृष्ण गायों को वन से घर ले जाते समय उनको एकत्र करने के लिए प्रायः वंशी की तान छेड़ा करते थे।

प्रश्न 23: वृंदावन श्रीकृष्ण की बाँसुरी के जादू से खाली क्यों नहीं होता?

उत्तर : वृंदावन श्रीकृष्ण की बाँसुरी के जादू से कभी खाली नहीं होता। यह कृष्ण के कारण एक तीर्थ-स्थल हो गया है। यहाँ वर्षभर कृष्ण-भक्तों की आवाजाही लगी रहती है। कृष्ण से संबंधित सभी वस्तुओं के दर्शन करते भक्तगण यहाँ आते रहते हैं। वे सुबह-शाम कृष्ण के नाम की माला जपते रहते हैं। उनके मन में कृष्ण की वंशी का मधुर स्वर गूँजता रहता है, इसलिए कहा जाता है कि वृंदावन श्रीकृष्ण की बाँसुरी के जादू से कभी खाली नहीं होता।

प्रश्न 24 : फ्रीडा कौन थी? उसने लॉरेंस के बारे में लिखने से क्यों मना किया?

उत्तर : फ्रीडा डी० एच० लॉरेंस की पत्नी थीं। उन्होंने अपने पति के बारे में लिखने से इसलिए मना कर दिया, क्योंकि उनका सोचना था कि वह लॉरेंस के विषय में कुछ नहीं जानतीं। उनसे अधिक तो लॉरेंस के बारे में उनकी छत पर बैठी गौरैया जानती है। कहने का आशय यह है कि लॉरेंस का अधिक समय पक्षियों के मध्य ही व्यतीत होता था।

प्रश्न 25 : लॉरेंस के बारे में फ्रीडा से अधिक कौन जानता था? इससे लॉरेंस की किस विशेषता का पता चलता है?

उत्तर : लॉरेंस के बारे में फ्रीडा से अधिक उनकी छत पर बैठने वाली गौरैया जानती थी, क्योंकि लॉरेंस उसके साथ काफी समय व्यतीत करते थे। इससे उनके पक्षियों के प्रति प्रेम, दया, सहानुभूति जैसे मानवीय गुणों का पता चलता है।

इस बात से लॉरेंस के अगाध प्रकृति-प्रेमी एवं पक्षी-प्रेमी होने के गुणों का पता चलता है।

प्रश्न 26 : जटिल प्राणियों के लिए सालिम अली एक पहेली बने रहेंगे। क्यों?

उत्तर : जटिल प्राणियों के लिए सालिम अली एक पहेली बने रहेंगे; क्योंकि जटिल व्यक्तित्व वाले लोग यही समझते हैं कि महानता तो जटिलता, कठोरता, विशिष्टता में है, जबकि सालिम अली थे बिलकुल सीधे-सरल व्यक्तित्व वाले। वह स्वच्छ हृदय के खुले मन वाले भोले व्यक्ति थे। उनकी सरलता लोगों को आश्चर्यचकित करती थी।

प्रश्न 27 : सालिम अली को नई-नई खोजों के लिए किस घटना ने प्रेरित किया?

उत्तर : सालिम अली को नई-नई खोजों के लिए प्रेरित करने वाली घटना उनके जीवन की बाल्यावस्था से संबंधित है। बचपन में एक बार उनकी एयरगन से एक नीले कंठ वाली गौरैया घायल होकर गिर पड़ी। तब वे उसकी सेवा में क्या लगे कि वे पक्षियों के बारे में नित नई खोजों और रहस्यों को जानने में ही जुट गए।

प्रश्न 28 : लॉरेंस और सालिम अली में क्या समानता थी?

उत्तर : लॉरेंस और सालिम अली में बहुत समानता थी। दोनों ही प्रकृति-प्रेमी और पक्षी-प्रेमी थे। दोनों का अधिक जीवन प्रकृति के मध्य ही व्यतीत हुआ था। दोनों के जीवन में गौरैया का महत्त्व था। लॉरेंस और सालिम अली दोनों की पत्नियों ने इनके प्रकृति संबंधी कार्यों में पूर्ण सहयोग दिया था।

अभ्यास प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर-विकल्प चुनकर लिखिए–*

कोई आज भी वृंदावन जाए तो नदी का साँवला पानी उसे पूरे घटनाक्रम की याद दिला देगा। हर सुबह, सूरज निकलने से पहले, जब पतली गलियों से उत्साहभरी भीड़ नदी की ओर बढ़ती है तो लगता है जैसे उस भीड़ को चीरकर अचानक कोई सामने आएगा और बंसी की आवाज़ पर सब किसी के कदम थम जाएँगे। हर शाम सूरज ढलने से पहले जब वाटिका का माली सैलानियों को हिदायत देगा तो लगता है जैसे बस कुछ ही क्षणों में वह आ टपकेगा और संगीत का जादू वाटिका के भरे-पूरे माहौल पर छा जाएगा। वृंदावन कभी कृष्ण की बाँसुरी के जादू से खाली हुआ है क्या!

1. गद्यांश में किस स्थान का वर्णन किया गया है–

(क) मथुरा का (ख) वृंदावन का
(ग) काशी का (घ) अयोध्या का।

2. वृंदावन में नदी के पानी का रंग कैसा है–

(क) साँवला (ख) नीला
(ग) सफ़ेद (घ) लाल।

3. हर सुबह वृंदावन की गलियों से उत्साह भरी भीड़ किधर बढ़ती है–

(क) तालाब की ओर (ख) नदी की ओर
(ग) मंदिर की ओर (घ) मस्ज़िद की ओर।

4. 'भीड़ को चीरकर अचानक कोई सामने आएगा।' में 'कोई' किसे कहा गया है–

(क) श्रीकृष्ण को (ख) श्रीराम को
(ग) बुद्ध को (घ) अर्जुन को।

5. वृंदावन कभी भी किससे खाली नहीं हुआ–

(क) दूध और मक्खन से
(ख) श्रीकृष्ण की बाँसुरी के जादू से
(ग) गाय और बछड़ों से
(घ) गोपियों और ग्वालों से।

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

6. 'साँवले सपनों की याद' पाठ के आधार पर बताइए कि कौन-सा पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा नहीं गा सकता–

(क) जो पेड़ की डाल पर बैठा हो
(ख) जो आकाश में उड़ रहा हो
(ग) जो दाना चुग रहा हो
(घ) जो मौत की गोद में जा बसा हो।

7. वृंदावन किसके जादू से कभी खाली नहीं हुआ–

(क) सालिम अली के जादू से
(ख) ग्वालों के जादू से
(ग) श्रीकृष्ण की वंशी के जादू से
(घ) गोपियों के नृत्य के जादू से।

8. सालिम अली की मृत्यु लगभग कितने वर्ष की आयु में हुई–

(क) पचास वर्ष (ख) साठ वर्ष
(ग) सत्तर वर्ष (घ) सौ वर्ष।

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

9. लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि ''मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है।''

10. प्रकृति को आदमी अपनी नज़र से देखता है, क्यों?

11. सालिम अली को नई-नई खोजों के लिए किस घटना ने प्रेरित किया?